1- **केंचुआ खाद प्रकल्प :-** शारदा बालग्राम मे गौशाला के समीप ही केंचुआ खाद प्रकल्प विकसित किया गया है। केंचुओं से निर्मित खाद का प्रयोग कृषि , औषधीय, वनस्पति तथा फुलों के पौधों के लिए किया जा रहा है। इसके

आशानुरुप परिणाम प्राप्त हो रहे है। बालकों को भी इस पध्दति से अवगत कर उनका कौशल विकसित किया जा रहा है। शारदा बालग्राम मे केंचुआ खाद हम गोबर गैस से निकला हुआ गोबर,किचिन के बचे हुए सब्जी के छिलके व ब चे हुए झूठन ,सुखे पेड़ो के पत्ते , बारिक लकड़ियां , कागज के गत्ते , कूड़ा-कचड़ा को लोहे के फ्रेम से बनी हुई पेटी मे डालते है। फ्रे म मे दो भाग किया गया है । पहले भाग मे हम गोबर गैस से निकला हुआ गोबर ,किचिन के बचे हुए सब्जी के छिलके व बचे हुए झूठन, सुखे पेड़ो के पत्ते , बारिक लकड़ियां, कागज के गत्ते , कूड़ा-कचड़ाआदि डालते है। तथा दूसरे भाग मे गोबर गैस से

निकला हुआ गोबर,किचिन के बचे हुए सब्जी के छिलके व ब चे हुए झूठन , सुखे पेड़ो के पत्ते , बारिक लकड़ियां , कागज के गत्ते , कूड़ा-कचड़ा डालते है। पहले भाग का खाद तैयार हो जाने पर हम पहले भाग मे पानी का छिड़काव करना बन्द कर देते है। तत् पश्चात केंचुए दूसरें भाग की तरफ चले जाते है। और फिर हम छन्नी से खाद को छान लेते है। खाली हुआ भाग मे फिर से हम गोबर गैस से निकला हुआ गोबर ,किचिन के बचे हुए सब्जी के छिलके व ब चे हुए झूठन, सुखे पेड़ो के पत्ते , बारिक लकड़ियां , कागज के गत्ते , कूड़ा-कचड़ा डाल देते है। शारदा बालग्राम परिसर को स्वच्छ रखने मे केंचुआ खाद प्रकल्प का काफी योगदान मिलता है। यह एक महीने के अवधि मे केंचुआ खाद मे परिवर्तित हो जाती है।